

लखनऊ

लखनऊ, मंगलवार, 15 सितम्बर, 2015

योजनाओं को परखेंगे विश्व बैंक के प्रतिनिधि

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता

उत्तर प्रदेश भूमि सुधार निगम द्वारा विश्व बैंक के सहयोग से चलाई जा रही सोडिक तृतीय परियोजना की समीक्षा एवं उपलब्धियों को देखने के लिए विश्व बैंक प्रतिनिधियों का दस सदस्यीय दल प्रदेश के भ्रमण पर लखनऊ पहुँचा। विश्व बैंक के सदस्य प्रदेश में 2 सप्ताह तक 29 जिलों में चलाई जा रही सोडिक तृतीय परियोजना की समीक्षा एवं विभिन्न जिलों में हो रहे कार्यों को देखेंगे। प्रबन्ध निदेशक विपिन कुमार द्विवेदी, की अध्यक्षता में संयुक्त प्रबन्ध निदेशक डॉ. बी.पी. सिंह द्वारा परियोजना द्वारा किये जा रहे कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

विश्व बैंक प्रतिनिधि मंडल में टास्क टीम लीडर बायरसेहान तुमरदावा के अतिरिक्त रंजन सामन्तरे, सह टास्क टीम लीडर, डा. पॉल सिद्धू (वरिष्ठ कृषि विशेषज्ञ), आर. पाठक (जल निकास विशेषज्ञ), मेरी मुटू स्वामीनाथन, (पशुपालन विशेषज्ञ), शंकर नारायण (सामाजिक विकास विशेषज्ञ), अनुपम जोशी व दुष्यन्त कुमार (पर्यावरण विशेषज्ञ), शंकर लाल व सुश्री गीता दासानी (प्रोक्यूरमेन्ट विशेषज्ञ), अरविन्द मन्था (वित्त विशेषज्ञ) और रोहित गावरी (सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ) निगम मुख्यालय पर आये।

प्रतिनिधि मंडल प्रदेश के अलग-अलग जिलों-सुल्तानपुर, लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, एटा, मैनपुरी, इटावा, कानपुर और उन्नाव में ऊसर सुधार परियोजना का भ्रमण करेंगे। परियोजना क्षेत्र में प्रतिनिधि मंडल इस वर्ष के चयनित ग्रामों में ऊसर सुधार सम्बन्धी प्रक्षेत्र विकास तथा विगत वर्ष के ग्रामों में ऊसर सुधार के बाद फसल उत्पादन के लिए लगायी गयी पहली फसल धान को देखेंगे। प्रतिनिधि मंडल को सोडिक तृतीय परियोजना के अन्तर्गत ऊसर भूमि सुधार के साथ निगम के



सहयोग से महिला समूहों द्वारा किया जा रहा बकरी पालन, अगरबत्ती, मिठाई डिब्बा, दोना पत्तल बनाने, दुधारू पशुपालन व सब्जी की खेती सम्बन्धी उद्योग एवं व्यवसाय आदि भी दिखाये जायेंगे। विश्व बैंक का यह प्रतिनिधि मंडल 22 सितम्बर तक परियोजना का भ्रमण कर प्रमुख उपलब्धियों का आंकलन करेगा।

प्रतिनिधि मंडल द्वारा बीहड़ सुधार कार्यक्रम के लिए तैयार की गयी परियोजना को लागू करने के लिए जनपद फतेहपुर व कानपुर में बीहड़ सुधार कार्यक्रम देख कर अपने सुझाव देगा। निगम द्वारा सोडिक तृतीय परियोजना के अन्तर्गत अब तक 107999 हे. ऊसर भूमि का सुधार कर फसल उत्पादन के अन्तर्गत लाया गया है। इस परियोजना में लगभग 249244 कृषक लाभान्वित हुए हैं। लाभान्वित कृषकों में लगभग 93 प्रतिशत लघु सीमान्त तथा अनुसूचित जाति के लाभार्थी हैं।

WB team arrives to review sodic land reclamation projects

PNS ■ LUCKNOW

A 10-member team of the World Bank will review the progress of the sodic land reclamation project and assess its impact on improving the livelihood of the beneficiary families through the women self-help groups.

The WB team, which arrived here on Monday, would visit the different sodic land reclamation project districts, including Sultanpur, Lucknow, Rae Bareilly, Farrukhabad, Hardoi, Kannauj, Etah, Mainpuri, Etawah, Kanpur and Unnao.

"The mission will review the land reclamation projects undertaken in select villages as well as the first cropping done in the selected area. The members will also meet women self-help groups that are earning their livelihood through goat rearing, sweet box making, paper bowl and plate making, cattle rearing and vegetable production," a government official said in a statement issued here on Monday.

Around 2,49,244 farmers have been benefited by the project. Among the beneficiaries, 93 per cent are small and marginal farmers while the rest belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribes categories.

"Apart from sodic land reclamation, the project is also working for ravine stabilisation

The project is also working for ravine stabilisation in Kanpur and Fatehpur districts under which 8,679 hectare of ravine land has been stabilised against the target of 5,000 hectares

in Kanpur and Fatehpur districts, under which 8,679 hectare of ravine land has been stabilised against the target of 5,000 hectares of ravine land, the official said, and added. "A total of 12,947 farmers were benefited under this project."

He said under the project, seeds and fertilisers were provided to the beneficiary farmers for crop production. Besides, the official said, women self-help groups were formed and training in small-sale industries was imparted to their members to uplift their economic and social status.

"For the first time, the farmers were provided inputs and marketing facilities to organise their own producer groups and provide them easy market for sale and purchase of farm produce," the official said.

The World Bank team is led by Bayer Saihan Tumardava. The team's co-task leader is Ranjan Samantaray.